

प्रेषक

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के अनु सचिव
उत्तर प्रदेश।

सेवा में

कुलसचिव,
वीर बहादुर सिंह यूके-यल विश्वविद्यालय,
जीनपुर।

महोदय,

आपके पत्रांक 2844/जी.एस., दिनांक 09/01/2007, के सम्बन्ध में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि महामहिम कुलाधिपति महोदय ने उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-१९७३ की धारा-३७ (२) के अधीन शासनादेश क्रि.सं. ११७/२००६, नियामतादूर कन्सो, बलिया को स्नातक स्तर पर शिक्षा संचाय के अन्तर्गत बी०ए०डि० पाठ्यक्रम में १०० सीट की प्रवेश क्षमता के साथ स्वयंसेवा पोषित योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन दिनांक ०१-०९-२००६ से सम्बद्धता की स्वीकृति सहर्ष प्रदान कर दी है-

- 1- संस्था उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी शासनादेश संख्या-२८५१/सत्तर-२-२००२-१३, (६२), २००२, दिनांक २ जुलाई २००३ में उल्लिखित दिशा-निर्देशों एवं समय-समय पर इस विषय में निर्गत शासनादेशों का पालन करेगी।
- 2- संस्था राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा निर्धारित समस्त मानकों को पूर्ण तथा उचित निरन्तरता को सुनिश्चित करेगी एवं परिषद द्वारा निर्धारित समस्त शर्तों का अनुपालन करेगी।
- 3- यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनिष्ठावली/अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-१९७३ के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गई सम्बद्धता तत्पश्चात् विद्यमान की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय

(सचिव महोदय का)
कुलाधिपति के अनु सचिव

प्रतिलिपि: निम्नांकित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
- 2- निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा निदेशालय, इलाहाबाद।
- 3- क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, उत्तर क्षेत्रीय समिति ४५-ए, सिल्लिकुनगर, झांझीपुर।
- 4- महामहिम/कुलाधिपति, शासनादेश क्रि.सं. ११७/२००६, नियामतादूर कन्सो, बलिया।

सचिव महोदय का
(सचिव महोदय का)
कुलाधिपति के अनु सचिव